

.. raahu aShTottarashatanAmAvaliH ..

## ॥ राहु अष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

राहु बीज मन्त्र -

ॐ भ्राँ भ्रीँ भ्रौँ सः राहवे नमः ॥

ॐ राहवे नमः ॥

ॐ सैहिकेयाय नमः ॥

ॐ विधुन्तुदाय नमः ॥

ॐ सुरशत्रवे नमः ॥

ॐ तमसे नमः ॥

ॐ फणिने नमः ॥

ॐ गार्ग्यनयाय नमः ॥

ॐ सुरापिने नमः ॥

ॐ नीलजीमूतसंकाशाय नमः ॥

ॐ चतुर्भुजाय नमः ॥ १०

ॐ खड्गखेटकधारिणे नमः ॥

ॐ वरदायकहस्तकाय नमः ॥

ॐ शूलायुधाय नमः ॥

ॐ मेघवर्णाय नमः ॥

ॐ कृष्णध्वजपताकावते नमः ॥

ॐ दक्षिणाशामुखरथाय नमः ॥

ॐ तीक्ष्णदंष्ट्रकरालकाय नमः ॥

ॐ शूर्पाकारसंस्थाय नमः ॥

ॐ गोमेदाभरणप्रियाय नमः ॥

ॐ माषप्रियाय नमः ॥ २०

ॐ कश्यपर्षिनन्दनाय नमः ॥

ॐ भुजगेश्वराय नमः ॥

ॐ उल्कापातयित्रे नमः ॥

ॐ शूलिने नमः ॥

ॐ निधिपाय नमः ॥

ॐ कृष्णसर्पराजे नमः ॥

ॐ विषज्वलावृतास्त्राय त्रिशूरोराय नमः ॥

ॐ शात्रवप्रदाय नमः ॥

ॐ रवीन्दुभीक नमः ॥

ॐ छायास्पृशिकाय नमः ॥ ३०

ॐ कठिनायुधकाय नमः ॥

ॐ द्विषच्छत्रेदकाय नमः ॥

ॐ कर्णव्याय नमः ॥

ॐ भयंकराय नमः ॥

ॐ क्रूरकर्मणे नमः ॥

ॐ तमोरूपाय नमः ॥

ॐ श्यामात्मने नमः ॥

ॐ नीललोहिताय नमः ॥

ॐ किरीटिणे नमः ॥

ॐ नीलवसनाय नमः ॥ ४०

ॐ शनिसमान्त चर्मगाय नमः ॥

ॐ चाण्डालवर्णाय नमः ॥

ॐ अश्रयक्ष्मभयानकाय नमः ॥

ॐ मेषभवाय नमः ॥

ॐ शनिदालदाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥ ६०

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥ ७०

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ शूलिकाय नमः ॥

ॐ जन्मकन्याराज्यदात्रे नमः ॥  
 ॐ जन्महानिदाय नमः ॥  
 ॐ नवमे पितृहन्त्रे नमः ॥  
 ॐ पञ्चमे शोकदायकाय नमः ॥  
 ॐ द्यूने कलत्रहन्त्रे नमः ॥  
 ॐ सप्तमे कलहप्रदाय नमः ॥  
 ॐ षष्ठे वित्तदात्रे नमः ॥  
 ॐ चतुर्थे वैरदायकाय नमः ॥ ८०  
 ॐ नवमे पापदात्रे नमः ॥  
 ॐ दशमे शोकदायकाय नमः ॥  
 ॐ आदौ यशः प्रदात्रे नमः ॥  
 ॐ अन्ते वैरप्रदायकाय नमः ॥  
 ॐ कालात्मने नमः ॥  
 ॐ गोचराचाराय नमः ॥  
 ॐ धने ककुत्प्रदाय नमः ॥  
 ॐ पञ्चमे धिशणाशृङ्गदाय नमः ॥  
 ॐ स्वर्भानवे नमः ॥  
 ॐ बलिने नमः ॥ ९०  
 ॐ महासौख्यप्रदायिने नमः ॥  
 ॐ चन्द्रवैरिणे नमः ॥  
 ॐ शाश्वताय नमः ॥  
 ॐ सुरशत्रवे नमः ॥  
 ॐ पापग्रहाय नमः ॥  
 ॐ शाम्भवाय नमः ॥  
 ॐ पूज्यकाय नमः ॥  
 ॐ पाटीरपूरणाय नमः ॥  
 ॐ पैठिनसकुलोद्भवाय नमः ॥  
 ॐ भक्तरक्षाय नमः ॥ १००  
 ॐ राहुमूर्तये नमः ॥

ॐ सर्वाभीष्टफलप्रदाय नमः ॥  
 ॐ दीर्घाय नमः ॥  
 ॐ कृष्णाय नमः ॥  
 ॐ अतनवे नमः ॥  
 ॐ विष्णुनेत्रारये नमः ॥  
 ॐ देवाय नमः ॥  
 ॐ दानवाय नमः ॥  
 ॥ इति राहु अष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णम् ॥

Propitiation of raahu (Saturday)

CHARITY: Donate a coconut, old coins or coal to a leper on Saturday.

FASTING: On the first Saturday of the waxing moon, especially during major or minor raahu periods.

MANTRA: To be chanted on Saturday, two hours after sunset, especially during major or minor raahu periods:

RESULT: The planetary diety raahu is propitiated granting victory over enemies, favour from the King or government, and reduction in diseases caused by raahu.